रविवार 10.08.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाए जाने का आह्वान किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून से राज्य के 13 जिलों के 13 आदर्श संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ किया। कहा– सरकार सभी आदर्श संस्कृत ग्रामों में संस्कृत विद्यालयों की स्थापना करेगी।
- उत्तरकाशी ज़िले के हर्षिल–धराली में आई विनाशकारी बाढ़ में लापता लोगों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान आज भी जारी रहा।
- पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने उत्तरकाशी आपदा को लेकर पुलिस मुख्यालय में राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की।
- मौसम विभाग ने आज देहरादून, बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया।

'टेक सिटी' बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बेंगलुरु से भारत को तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय टेक कंपनियों ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। अब समय आ गया है कि हम भारत की ज़रूरतों को और अधिक प्राथमिकता दें, ताकि तकनीक का लाभ देश के हर नागरिक तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कर्नाटक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया और कहा कि इस सफलता में भारत की मेक इन इंडिया की ताकत थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस गति का स्रोत रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म की भावना, ईमानदार नीयत और सतत प्रयास रहा है।

संस्कृत ग्राम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून से राज्य के 13 जिलों के 13 आदर्श संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में इन सभी आदर्श संस्कृत ग्रामों में संस्कृत भवनों के निर्माण के साथ ही राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालयों की भी स्थापना करेगी।

उन्होंने कहा राज्य सरकार, उत्तराखंड के प्रत्येक जिले में आदर्श संस्कृत ग्राम की स्थापना कर देववाणी संस्कृत को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। देवभूमि उत्तराखंड सदियों से देववाणी संस्कृत के अध्ययन और शोध का केंद्र रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि देववाणी संस्कृत की पवित्र ज्योति को उत्तराखंड में प्रज्ज्वलित रखा जाए।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि संस्कृत भाषा हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। उत्तराखंड भारत का पहला राज्य है, जिसने संस्कृत भाषा को अपनी दूसरी आधिकारिक भाषा घोषित किया है। उन्होंने कहा अगले वर्ष से संस्कृत विद्यालयों में एनसीसी, एन.एस.एस का शुभारंभ के साथ ही शिक्षकों की कमी को दूर किया जाएगा।

उत्तरकाशी आपदा

उत्तरकाशी ज़िले के हर्षिल–धराली में आई विनाशकारी बाढ़ में लापता लोगों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। यह जानकारी देते हुए ब्रिगेडियर एमएस ढिल्लों ने बताया कि 5 अगस्त से सेना, राज्य सरकार और अन्य एजेंसियाँ लगातार बचाव और राहत कार्यों में लगी हुई हैं। उन्होंने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए ग्राउंड–पेनेट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो ज़मीन के नीचे दबी मानव या धातु की वस्तुओं की पहचान करते हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत कार्यों को गति देने के लिए राज्य के अन्य हिस्सों से कर्मियों, तकनीशियनों और राहत सामग्री लेकर एक सी–295 विमान आज सुबह आगरा से धरासू पहुँचा।

सरकार ने बताया कि प्रभावित लोगों के लिए आज मातली हेलीपैड से हेलीकॉप्टर के ज़रिए बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री और राहत सामग्री हर्षिल हेलीपैड भेजी गई। सरकार का कहना है कि हेली अभियान के तहत हेलीकॉप्टर अब तक 260 से ज़्यादा फेरे लगा चुके हैं। इस अभियान में मातली हेलीपैड से आठ हेलीकॉप्टरों का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी से सेना के चिनूक, एमआई, एएलएच और चीता हेलीकॉप्टर भी हेली रेस्क्यू ऑपरेशन में महत्वपूर्ण सहयोग दे रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री का वितरण लगातार जारी है।

राहत समीक्षा

पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने आज उत्तरकाशी आपदा को लेकर देहरादून स्थित पुलिस मुख्यालय में धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा के राहत और बचाव कार्यों की प्रथम चरण की समीक्षा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि सर्च एंड रेस्क्यू आपरेशन पर विशेष फोकस किया जाएगा। इस अभियान के लिए एसडीआरएफ के पुलिस महानिरीक्षक अरूण मोहन जोशी को घटना कमांडर नियुक्त किया गया है। सर्च और रेस्क्यू अभियान में गति लाने के लिए एसडीआरएफ, फायर, पीएसी और पुलिस बल की पर्याप्त संख्या को धराली और हर्षिल घटनास्थल में तुरंत तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय नागरिकों, ग्राम प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर लापता व्यक्तियों की सटीक सूची तैयार की जाएगी।

राहत सामग्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून से धराली में राहत और पुनर्वास के लिए भेजी जा रही आपदा राहत सामग्री के वाहनों को रवाना किया। राहत सामग्री के लिए कोटक महिंद्रा बैंक का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों की हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा इस दुख की घड़ी में पूरा राज्य आपदा प्रभावितों के साथ खड़ा है। इस बीच, मुख्यमंत्री से देहरादून में बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से उत्तरकाशी जिले के धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा के राहत कार्यों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ की धनराशि का योगदान दिया गया। इसके लिए मुख्यमंत्री ने बैंक ऑफ बड़ौदा का आभार व्यक्त किया।

आईआईटी रुड़की

रुड़की स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, ने घातक एंटीबायोटिक प्रतिरोध से लड़ने के लिए एक दवा की खोज की है। संस्थान के शोधकर्ताओं ने एक नई दवा, कंपाउंड 3–बी, विकसित की है जो दवा–प्रतिरोधी बैक्टीरिया के खिलाफ शक्तिशाली एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता को बहाल कर सकती है। जैव अभियांत्रिकी विभाग की प्रोफेसर रंजना पठानिया के नेतृत्व में, आईआईटी रुड़की के डॉ. मंगल सिंह व परवेज़ बख्त तथा नॉर्वेजियन प्रोफेसर एनेट बायर व उनकी टीम ने एक नया अणु तैयार किया है, जो एंटीबायोटिक मेरोपेनम के साथ मिलकर क्लेबसिएला न्यूमोनिया जनित संक्रमण का इलाज करता है। क्लेबसिएला न्यूमोनिया एक सुपरबग है जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के शीर्ष प्राथमिकता वाले खतरों में सूचीबद्ध किया गया है। प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर रंजना पठानिया ने कहा कि यह सफलता दुनिया की प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक, रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए एक विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

मौसम

राजधानी देहरादून और बागेश्वर में आज बादल छाए रहने के साथ ही रुकरुक कर हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। इस बीच, मौसम विभाग ने आज देहरादून, बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट और शेष जिलों में तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार राज्य में 14 अगस्त तक मूसलाधार बारिश के आसार बने हुए हैं। इस अवधि में लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम खराब होने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी गयी है। साथ ही पर्वतीय जिलों में संवेदनशील स्थानों पर पूरी सुरक्षा के साथ यात्रा करने और नदी–नालों से दूर रहने का आग्रह किया गया है।

क्विज प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव और उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून ने एक क्विज प्रतियोगिता शुरू की है। सबसे पहले सही उत्तर देने वाले श्रोता का नाम अगले दिन के समाचार बुलेटिन में घोषित किया जाएगा। हमारा कल का प्रश्न था– स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे ?

सही उत्तर है– पंडित जवाहरलाल नेहरु

हमारे कल के विजेता हैं– टिहरी गढ़वाल के फलसारी गांव से बलवंत सिंह चौहान।

श्रोताओं आज का प्रश्न है– स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे? प्रश्न एक बार फिर सुन लें– स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?

श्रोता अपने प्रश्न का उत्तर आकाशवाणी की ईमेल आईडी– तदनकमीतंकनद/हउंपसण्बवउ या व्हाट्सएप नंबर –

97 60 26 80 51 पर भेज सकते हैं।